川绵中学2021-2022学年第二学期

初一语文期中考试试题

考试范围：前四单元；考试时间：120分钟；

**一、基础知识积累运用（20分）**

1、请写一句激励自己的话（要求清楚、端正、无涂改，2分）

2、下列词语中，书写正确的一项是（ ）（2分）

A． 校对 奠基   秩序 愧作

B． 硕果  彭湃 憎恶 绞肉

C． 震悚  元勋 草率 污岁

D． 咳嗽 悠然 诘问 疙瘩

3、下列各句中加点词语使用不正确的一项是（ ）（2分）

A、《中华上下五千年》那么厚，叫人惨不忍睹，我一看见它就头疼。

B、高考状元才女毕业后做了游戏主播，这一事件经媒体报道之后，几乎家喻户晓。

C、蚂蚁大军浩浩荡荡整齐有序地向草丛行进，像是去参加一场战争。

D、学校邀请战斗英雄王爷爷为我们讲述马革裹尸的战争年代里一个个惊心动魄的故事。

4、下列句子没有语病的一项是（ ）（2分）

A、冬奥会结束，中国队大获全胜，囊括并包揽了成人组四枚金牌。

B、《中国诗词大会》的宗旨是能否通过具有普及性的诗词内容，打造一场全民诗词文化盛宴。

C、通过班主任耐心教育，使我明白了许多道理。

D、中国代表队在世界技能舞台上展示了中国青年技工的精湛技艺，为祖国和人民赢得了荣誉。

5、下列关于作品内容及常识的表述，不正确的一项是（ ）（2分）

A、《黄河颂》是一首反映抗日救亡主题的现代诗，这首诗以热烈的颂歌形式塑造了黄河的形象，并表达了中华儿女向它学习的决心。

B、《说和做——记闻一多先生言行片段》选自《人民日报》，作者臧克家，是我国现代著名诗人，主要作品有《烙印》等。

C、《回忆鲁迅先生》是萧红为纪念鲁迅先生而作，文章为我们展现了一个平易近人、和蔼可亲而又忘我工作的鲁迅象。

D、《孙权劝学》节选自南宋政治家、史学家司马迁编的《资治通鉴》。

6、综合性学习（4分）

俗话说：“一方水土一方人。”我们的家乡海南有着独特的地理环境，历史文化，风土人情，每年吸引着无数的游客。如果你的一位好朋友到海南旅游，你想介绍什么给他呢？请把你的想法写在下面。

7、仿照下列句子，再写一句。(2分)

祖国是大海，我就是大海中的一滴水；祖国是蓝天，我就是蓝天上的一朵云。

8 名著导读填空（4分）：科幻小说《海底两万里》是法国科幻小说家 代表作。于1869年面世，迄今逾百年，仍能风行世界，可见其吸引力。小说讲述“ ”号潜艇的 船长（填人名）和著名的博物学家 一行人在海底旅行的故事。

**二、古诗文积累与阅读（24分）**

**（一）诗文默写（10分）**

9、（1）前不见古人，后不见来者。念天地之悠悠， ！

（2）商女不知亡国恨， 。（《泊秦淮》杜牧）

（3）可怜夜半虚前席， 。（《贾生》李商隐）

（4） ，百般红紫斗芳菲。（《晚春》韩愈）

（5）此夜曲中闻折柳， 。（《春夜洛城闻笛》李白）

（6） ，闲敲棋子落灯花。（《约客》赵师秀）

（7）龚自珍在《己亥杂诗》其五中以落花为喻，表明自己虽已辞官还乡，但仍心系国事的诗是 ， 。

（8）王安石在《登飞来峰》中抒发远大抱负的是 ， 。

**（二）阅读《木兰诗》文段，回答9—12题。（14分）**

[唧唧复唧唧，木兰当户织](https://www.slkj.org/b/21438.html)，[不闻机杼声，惟闻女叹息](https://www.slkj.org/b/21439.html)。[问女何所思，问女何所忆](https://www.slkj.org/b/21440.html)，[女亦无所思，女亦无所忆](https://www.slkj.org/b/21441.html)。[昨夜见军帖，可汗大点兵](https://www.slkj.org/b/21442.html)。[军书十二卷，卷卷有爷名](https://www.slkj.org/b/21443.html)，[阿爷无大儿，木兰无长兄](https://www.slkj.org/b/21444.html)，[愿为市鞍马，从此替爷征](https://www.slkj.org/b/21445.html)。

[东市买骏马，西市买鞍貉](https://www.slkj.org/b/21446.html)，[南市买辔头，北市买长鞭](https://www.slkj.org/b/21447.html)。[旦辞爷娘去，暮至黄河边](https://www.slkj.org/b/21448.html)。[不闻爷娘唤女声，但闻黄河流水鸣溅溅](https://www.slkj.org/b/21449.html)。[但辞黄河去，暮宿黑山头](https://www.slkj.org/b/21450.html)。[不闻爷娘唤女声，但闻燕山胡骑鸣啾啾](https://www.slkj.org/b/21451.html)。

[万里赴戎机，关山度若飞](https://www.slkj.org/b/21452.html)。[朔气传金析，寒光照铁衣](https://www.slkj.org/b/21453.html)。[将军百战死，壮士十年归](https://www.slkj.org/b/21454.html)。

[归来见天子，天子坐明堂](https://www.slkj.org/b/21455.html)。[策勋十二转，赏赐百千强](https://www.slkj.org/b/21456.html)。[可汗问所欲，木兰不用尚书郎](https://www.slkj.org/b/21457.html)。[愿驰千里足，送儿还故乡](https://www.slkj.org/b/21458.html)。

[爷娘闻女来，出郭相扶将](https://www.slkj.org/b/21459.html)。[阿姊闻妹来，当户理红妆](https://www.slkj.org/b/21460.html)。[小弟闻姊来，磨刀霍霍向猪羊](https://www.slkj.org/b/21461.html)。[开我东阁门，坐我西阁床](https://www.slkj.org/b/21462.html)。[脱我战时袍，着我旧时裳](https://www.slkj.org/b/21463.html)。[当窗理云鬓，对镜贴花黄](https://www.slkj.org/b/21464.html)。[出门看伙伴，伙伴皆惊惶](https://www.slkj.org/b/21465.html)。[同行十二年，不知木兰是女郎](https://www.slkj.org/b/21466.html)！

[雄兔脚扑朔，雌兔眼迷离](https://www.slkj.org/b/21467.html)。[双兔傍地走，安能辨我是雄雌](https://www.slkj.org/b/21468.html)。

10. **解释下列语句中的加点词**。 （4分）

（1） 卷卷有爷名 （2）但闻黄河流水鸣溅溅

（3） 出郭相扶将 （4） 雌兔眼迷离

11**.把下列语句翻译成现汉语**。（4分）

（1）[昨夜见军帖，可汗大点兵](https://www.slkj.org/b/21442.html)。

（2）[将军百战死，壮士十年归](https://www.slkj.org/b/21454.html)。

12“万里赴戎机，关山度若飞”**用了什么修辞方法？有何作用**（3分）

13诗中“开”“坐”“脱”“著”“理”“帖”这六个词是对木兰的**哪方面描写？有什么作用？（3分）**

**三、现代文阅读(26分)**

（一）（11分） 老山界 陆定一

满天都是星光，火把也亮起来了。从山脚向上望，只见火把排成许多“之”字形，一直连到天上跟星光按起来，分不出是火把还是星星。达真是我生平没见过的奇观。

大家都知道这座山是怎样地陡了，不由浑身紧张，前后呼喊起来，都想努一把力，好快些翻过山去。

“不要掉队呀 ! ”

“不要落后做乌龟呀 ! ”

“我们顶着天啦 ! ”

大家听了，哈哈地笑起来。

在“之”字拐的路上一步一步地上去。向上看，火把在头顶上一点点排到天空; 向下看，简直是绝壁，火把照着人的脸，就在脚底下。

走了半天，忽然前面又走不动了。传来的话说，前面又有一段路在峭壁上，马爬不上去。又等了一点多钟，传下命令来说，就在这里睡觉，明天一早登山。

就在这里睡觉 ?怎么行呢 ?下去到竹林里睡是不可能的。但就在路上睡么 ?路只有一尺来宽，半夜里一个翻身不就骨碌下去了么 ?而且路上的石头又非常不平，睡一晚准会疼死

人。

但这是没有办法的，只得裹一条毯子，横着心躺下去。因为实在太疲倦，一会儿就酣然入梦了。

半夜里，忽然醒来，才觉得寒气逼人，刺入肌骨，浑身打着颤。把毯子卷得更紧些把身子蜷起来，还是睡不着。天上闪烁的星星好象黑色幕上缀着的宝石，它跟我们这样地接 近哪 ! 黑的山峰象巨人一样矗立在面前。四围的山把这山谷 包围得象一口井。上边和下边有几堆火没有熄 ; 冻醒了的同 志们围着火堆小声地谈着话。除此以外，就是寂静。耳朵里 有不可捉摸的声响，极远的又是极近的，极洪大的又是极细 切的，象春蚕在咀嚼桑叶，象野马在平原上奔驰，象山泉在 呜咽，象波涛在澎湃。不知什么时候又睡着了。

14.　文中划线语句是哪**种描写？有何作用？**（3分）

15.选文中有许多地方可以看出山高山陡，请在文中用**横线画出两处并分析它的作用**？（4分）

16.课文对战士们翻山时的喊声，笑声有多次描写，**分析其作用**。（4分）

**（二）**   孩子，请系好鞋带   （15分）

（1）那时，我还在读初一。

（2）学校每到年底都会组织游园活动庆祝新年的到来。

（3）记得那年的游园活动特别热闹，游戏很简单，似乎所有的人都能中奖，所以奖品很快就剩得不多了。

 （4）我终于也得到了一张奖票，便兴冲冲地去领奖。领奖处挤满了人，每个人都希望得到最后几份奖品，我也不甘示弱地往前挤。高高的窗台，狭小的窗口，发奖的人根本看不见领奖人的脸，只能随意地从那些伸进窗口的挥舞着的手中接过奖票，再递给奖品。突然间，我感觉手心沉甸甸的，是一份奖品！还来不及高兴旋即又感到手里轻飘飘的了——奖品被别人抢了！我忙抬起头四下搜寻，只见身旁一个大男孩正在冲我得意地笑。

（5）我冲他喊道：“把奖品还给我！”

（6）他边走边嚷：“每个人都有奖票，谁能抢到就是谁的，凭什么还给你！”我拽住他的衣角，近乎哀求：“我先拿到的，给我吧。”

（7）他猛地推开我，没想到竟使我趔趄在地，他一溜烟跑掉了。

（8）从地上爬起来，我再也忍不住委屈大哭起来。我边哭边走向办公区，这时我本能地想到了母亲，她是这所学校极有权威的老师，她一定能帮我！

（9）母亲听我哭哭啼啼叙述完一切，沉默了半晌才说：“孩子，先系好你的鞋带吧。”⑩我低头一看，真的，鞋带不知什么时候已松开了。我迅速系好鞋带，然后期待母亲帮我要回奖品，没想到她却平静地说：“走吧，我们回家„„”

（10）这件事早已过去，我始终没能要回那份本该属于我的奖品，为此，我心里不止一次埋怨过母亲。然而，随着渐渐长大，十多年来曾经有过许多成败与得失的现在的我才恍然明白，当年的母亲是多么用心良苦！

（11）她让我系好鞋带，她在我因得不到奖品而懊恼的时候，让我系好鞋带，因为，我确实应该这样做。

 （12）如果母亲任由我哭闹，我可能会一辈子对此事耿耿于怀，无法释然。生活中本来就有好多我们想要的东西却无法得到，我们又怎可以要求自己每次都能被满足呢？母亲这样做其实是想让我学会坚强——当生活不能如愿以偿或者不尽人意时，不是一味地计较和埋怨，而是一如既往地做自己应该做的事，保持一份恬淡的心情对待生活。

（13）我知道，命运给予我们的磨难将远远不止是失去一份奖品；我同样知道，对待磨难也并非系好鞋带就能解决这么简单，但我明白生活的真谛就在于此——无论发生了什么事，不气馁，不自怨自艾，永远做自己应该做的事，永远向前看，总有一天，我能用生命的带子系住幸福。

17、给下面加点字注音。（4分）

  委屈（            ）     气馁（             ） 懊恼 （ ） 坚强（ ）

 18、文中有多个成语，请找出三个写在下面。（3分）

1. 第⑭段中“我感觉手心沉甸甸的”是因为什么？“又感到手里轻飘飘的”是因为什么？

（2分）

20、第（9）段中“我”听完母亲的话后的心理活动是怎样的？试以“我想”开头，联系上下文，简要写在下面。（3分）

我想：

21、读完本文，你有什么感受？请联系实际简要谈一点。（3分）

1. 写作与表达（50分）

我们每个人在成长中会有快乐，也会有烦恼；有成功，有失败。

请以“我的 ”为题，写一篇文章。 注意抒发自己的真情实感

要求：

1、讲题目补充完整，字数不少于500字

2、书写工整，语句通顺，勿写错别字

3、有事例，有真情实感。

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 200 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

400

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

600